आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :12 अंक :262 पृष्ठ –4 दिनांक 18 सितम्बर 2024 दिन बुधवार

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कैदियों को बड़ी राहत, नए कानून के तहत मिलेगा इनको मिलेगा जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया

उत्तराखंड की जेलों में बंद उन विचाराधीन कैदियों को तत्काल जमानत पर रिहा किया जाएगा. जिन्होंने अपने मामले में संभावित अधिकतम सजा की एक तिहाई अवधि जेल में बिता ली है. यह प्रावधान भारतीय नागरिक न्याय संहिता (बीएनएनएस) की धारा 479 के तहत आता है. जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पुराने कैदियों पर भी लागू करने का निर्देश दिया है. यह आदेश उन मामलों पर लागू नहीं होगा, जिनमें आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान है.इस आदेश के बाद उत्तराखंड की जेलों में, विशेष रूप से देहरादून, हल्द्वानी और हरिद्वार के कारागारों को बड़ी राहत मिलेगी, जहां क्षमता से अधिक कैदी बंद हैं. वर्तमान में, इन जेलों में कुल क्षमता से अधिक कैदी होने के कारण व्यवस्थाओं पर दबाव है और कैदियों को अमानवीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है. उदाहरण के तौर पर, देहरादून के जिला कारागार की कुल क्षमता 580 कैदियों की है, जबकि वहां 900 से अधिक विचाराधीन कैदी और 369 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं. इसी प्रकार, हल्द्वानी और हरिद्वार की जेलों में भी क्षमता से अधिक कैदी हैं. पुराने कानून में बदलाव का असर ,पुराने कानून यानी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत विचाराधीन कैदियों को यह लाभ तभी मिलता था, जब उन्होंने सजा की आधी अवधि जेल में बिता ली हो. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की सहमति से यह निर्णय लिया कि नए प्रावधान का लाभ पुराने कानून के तहत विचाराधीन कैदियों को भी दिया जाए. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, जेल अधीक्षकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी जेलों में कौन से विचाराधीन कैदी , ऐसे हैं, जिन्होंने सजा की एक तिहाई अवधि जेल में बिता ली है. इसके बाद, उनकी जमानत अर्जी जिला न्यायालय में दाखिल की जाएगी.जेल प्रशासन कर रहा है तैयारी जेल प्रशासन द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार विचाराधीन कैदियों की सूची तैयार की जा रही है. डीआईजी जेल दधि राम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर सभी जेल अधीक्षकों को निर्देश जारी किए जा चुके हैं और सूची के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. उत्तराखंड की जेलों पर लगातार बढ़ते बोझ और कैदियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह फैसला न्यायिक प्रणाली में एक अहम कदम है, जो जेल सुधार और मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है.

अब मेरी इच्छा है कि मेरे हाथ से बहुत लोग रिटायर होंश यूपी में नितिन गडकरी ने किस पर साधा निशाना?

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को सड़कों का खराब रखरखाव करने वाली एजेंसियों एवं ठेक. दारों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि खराब प्रदर्शन करने वाले 'आपरेटर' को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा. 'स्वच्छता ही सेवा 2024 – स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छताश अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान श्एक पेड़ मां के नामश का उद्घाटन करने के लिए गाजियाबाद पहुंचे गडकरी ने 'ईस्टर्न पे. रिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई)' का निरीक्षण किया. इस दौरान खामियां मिलने पर उन्होंने जिम्मेदार लोगों को जमकर फटकार लगायी. गडकरी ने कटाक्ष के लहजे में कहा, श्मैंने लंबे समय के बाद ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का उपयोग किया है. बहुत काम हुआ है. अब मेरी इच्छा है कि मेरे हाथ से बहुत से लोग 'रिटायर' हों, जो काम नहीं कर रहे हैं. कुछ ठेकेदार काली सूची में हों, किसी की बैंक गारंटी जब्त हो.श गडकरी ने चेतावनी दी, श्एसोसिएशन के पदाधिकारी यहां (कार्यक्रम में दर्शकों में) बैठे हैं, सड़कों का रखरखाव अच्छा होना चाहिए. मैंने आज सड़क देखी. इसका रखरखाव बहुत गंदा है. हम आपको छोड़ेंगे नहीं. जो गंदा काम करेंगे, हम उनकी बैंक गारंटी जब्त करने के बाद भी उनको हम काली सूची में डाल देंगे और उनको नया 'टेंडर' भरने नहीं देंगे.श सोशल मीडिया पर गडकरी ने किया पोस्टगडकरी ने यह भी कहा कि सड़कों का बेहतर रखरखाव करने वाली एजेंसियों और 'ऑपरेटर' को सरकार द्वारा विशेष मान्यता दी जाएगी. उन्होंने कहा कि जो अच्छा काम करेंगे उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि जो बुरा काम करेंगे उन्हें व्यवस्था से बाहर कर दिया जाएगा. उन्होंने पर्यावरण समर्थक नीतियों और जैव ईंधन जैसी पहल की आवश्यकता पर भी जोर दिया तथा कहा कि मंत्रालय प्रदूषण को कम करने के लिए भारत में लागू की जा सकने वाली योजनाओं के लिए बहुत सारे अध्ययन कर रहा है.गडकरी ने श्एक्सश पर श्एक पेड़ मां के नामश अभियान का जिक्र करते हुए कहा, श्देश को हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने के लिए टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने के उद्देश्य से आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह पहल शुरु की गई है. इससे न केवल हमारे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, बल्कि यह हमारे समाज के लिए भी एक प्रेरणादायक कदम है।

15 दिनों के भीतर अरविंद केजरीवाल खाली कर देंगे सीएम आवास, हमें सुरक्षा की चिंता

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अब सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ेंगे. अरविंद केजरीवाल सीएम आवास छोड़ देंगे. आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार (18 सितंबर) को कहा, श्श्अरविंद केजरीवाल 15 दिनों के भीतर सरकारी आवास खाली कर देंगे.श्श्उन्होंने कहा, श्श्मुख्यमंत्री के तौर पर बहुत सारी सुविधाएं किसी व्यक्ति को मिलती है केजरीवाल को भी मिली है. कल इस्तीफा देने के बाद पहले उन्होंने कहा कि हम सारी सुविधायें छोड़ देंगे. उनकी सुरक्षा पर भी सवाल है, कई बार उन पर हमला करने की कोशिश की गई. बीजेपी वालों ने हमला कराए. शारीरिक चोट पंहुचाई गई है. उनके परिवार को लेकर हम चिंतित है.संजय सिंह ने कहा, श्हम लोगों ने उनको समझाने की को. शिश, लेकिन केजरीवाल ने कहा कि में जेल में रहा, खूंखार अपराधियों के बीच रहा ईश्वर मेरी रक्षा करेगा. आम लोगों के बीच रहेंगे. अभी तय नहीं हुआ कि कहां रहेंगे. लेकिन जल्द ही ठिकाना ढूंढ लिया जायेगा. अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल विनय सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंपा था. बता दें कि कोई भी नेता जब मुख्यमंत्री पर नहीं रहता तब उसे अपना सरकारी आवास खाली करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाता है. जो अधिकतम तीन महीने तक भी हो सकता है. सरकारी आवास के रेनोवशन को लेकर विवादअभी जिस सरकारी आवास में अरविंद केजरीवाल रहते हैं वो सिविल लाइंस के फ्लैग स्टाफ रोड पर स्थित है. जिसके रेनोवशन पर खर्च को लेकर अर. विंद केजरीवाल बीजेपी के निशाने पर आ गए थे. बीजेपी इसे मुद्दा बनाकर दिल्ली सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला था. जिसके बाद एलजी ने एंटी करप्शन ब्रांच की जांच बिठा दी थी.दिसंबर 2013 में जब अरविंद केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने वे गाजियाबाद के कौशांबी

इलाके में रहते थे. इसके बाद वे मुख्यमंत्री के तौर पर दिल्ली के तिलक लेन स्थित घर में रहने लगे. इसके बाद फरवरी 2015 में दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो वे उतरी दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके रहने लगे.राष्ट्रीय पार्टी का अध्यक्ष होने के नाते अरविंद केजरीवाल सरकारी आवास पाने के तो हकदार हैं. अब देखना दिलचस्प होगा कि उनका नया ठिकाना कहां होगा?

अखिलेश यादव और ओवैसी को बड़ी राहत, कोर्ट ने खारिज कर दी याचिका

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और ।प्डप्ड प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को बड़ी राहत मिली है. इन दोनों ही ने. ताओं द्वारा हेट स्पीच मामले में हिंदू पक्ष के ओर से दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया गया है. इन दोनों ही नेताओं को इस मामले में वाराणसी कोर्ट के फैसले से राहत मिली है. कोर्ट ने इन दोनों नेताओं द्वारा ज्ञानवापी मामले में मिले कथित शिवलिंग पर दिए बयान को हेट स्पीच नहीं माना है.हालांकि इससे पहले यह मामला लोअर कोर्ट में भी खारिज हो चुका है. लेकिन अब वाराणसी के एडीजे 9वीं कोर्ट ने हिंदू पक्ष द्वारा दायर की गई याचिका का खारिज कर दिया है. इसमें सपा प्रमुख और असुदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ हेट स्पीच मामले में मुक. दमा दर्ज करने की अपील की गई थी. इन दोनों ही नेताओं ने कथित तौर पर ज्ञानवापी को शिवलिंग मानने से इनकार कर दिया था. पहले भी हो चुका है खारिजइससे पहले 17 सितंबर को इस केस की सुनवाई हुई थी तब कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा था. लेकिन बुधवार को कोर्ट ने इस मामले में खारिज कर दिया. जबकि बीते साल वकील हरिशंकर पांडे और अजय सिंह की तरफ से यह याचिका कोर्ट में दायर की गई थी. इससे पहले यह याचिका वाराणसी के एमपी–एमएलए कोर्ट में दाखिल की गई थी.तब एमपी–एमएलए कोर्ट ने भी इस मामले को खारिज कर दिया था. इसके बाद रिव्यू के लिए एडीजे कोर्ट में याचिका लगाई गई थी. इस याचिका के जरिए दावा किया गया था कि कथित शिवलिंग को लेकर इन नेताओं का बयान हेट स्पीच है. बता दें कि वाराणसी के ज्ञानवापी से जुड़े कई मामलों की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी हो रही है.ज्ञानवापी पर बीते दिनों सीएम योगी आदित्यनाथ का बयान भी चर्चा में रहा था. तब उन्होंने अपने बयान में कहा था कि ज्ञानवापी को श्मस्जिदश कहना दुर्भाग्यपूर्ण है. यह खुद में भगवान विश्वनाथ का एक सच्चा स्वरूप है.

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का हुआ खुलासा, मकान कब्जे को लेकर हुआ था विवाद, दो गिरफ्तार

नोएडा में सेक्टर 142 थाना पुलिस टीम ने सेक्टर 137 मेट्रो स्टेशन के पास हुई प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का खुलासा कर दिया. वहीं आरोपियों को बुद्ध तिराहा सर्विस रोड से गिरफ्तार कर लिया. हत्या करने वाले दो शूटर व अन्य आरोपियों को पकड़ने में पुलिस की छह टीम दबिश दे रही हैं. एक मकान पर कब्जे को लेकर चल रहे विवाद के कारण ये हत्या की गई थी.पुलिस की गिरफ्त में खडे राजेश कुमार व शक्ति कुमार गिरि को पुलिस ने देर रात बुद्ध तिराहा सर्विस रोड से गिरफ्तार किया है. डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्तिमोहन अवस्थी ने बताया कि सेक्टर 142 थाना पुलिस टीम ने सर्विलांस की मदद से गिरफ्तार किया. डीसीपी सेंट्रल के अनुसार कुछ दिनों पहले नवेंद्र कुमार झा और शक्ति कुमार गिरि ने नोएडा के सेक्टर–92 में 250 वर्ग मीटर का एक मकान खरीदा था.पैसे के चलते की गई हत्याइस मकान में नवेंद्र कुमार झा परिवार के साथ रह रहे थे. यह मकान राजेश कुमार गुप्ता और उनके भाई नीरज कुमार गुप्ता का था. दोनों का कुछ पैसा बकाया था. ये लोग नवेंद्र पर मकान खाली करने का दबाव बना रहे थे. मकान खाली नहीं करने पर दो करोड़ रुपये की मांग की जा रही थी, लेकिन नवेंद्र न पैसा दे रहा था और न मकान खाली कर रहा था. इसी के चलते नीरज गुप्ता ने अपने भाई राजेश और शक्ति के साथ मिलकर नवेंद्र की हत्या की साजिश रची.जल्द शूटरों को किया जाएगा गिरफ्तारइसी विवाद को सुलझाने के बहाने मृतक नवेंद्र कुमार झा बुलाया गया. सेक्टर 137 मेट्रो स्टेशन के पास बातचीत के दौरान दो शूटरों से नवेंद्र की गोली मारकर हत्या करवा दी थी. हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद से शूटर फरार हैं. पुलिस ने उनकी तलाश में कई जगह छापेमारी की, लेकिन अभी तक शूटरों का कोई पता नहीं चल सका है. पुलिस का दावा है कि जल्द शूटरों को गिरफ्तार किया जाएगा.

2 पत्नियों वाले पति ने अवैध संबंधों के चलते एक पत्नी को मारी गोली, थाने जाकर कबूला कांड, अरेस्ट

कानपुर देहात में सिक्योरिटी गार्ड भाग. ीराम ने पहली पत्नी सीमा पर शक के चलते उसे गोली मार दी. भागीराम ने दो शादियाँ की थीं और दूसरी पत्नी उषा के कथित अवैध संबंधों से उसे शक था कानपुर देहात में भी एक ऐसा मामला सामने आया, जिसमे प्यार शक और फिर धोखे से एक महिला को मौत के घाट उतार दिया. सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने वाले एक शख्स ने दो शादियां की थी, दोनों पत्नियां अलग अलग रहती थी. लेकिन एक पत्नी के अवैध संबंधों और रिश्तों के चलते पति ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से पत्नी के सीने में गोली मार दी. गोली मारने के बाद हत्यारोपी पहले डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को ये जानकारी दी की मैंने पत्नी को गोली मारकर हत्या कर दी है. वहीं पुलिस ने गार्ड को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. दरअसल पूरा मामला कानपुर देहात के भोगनीपुर थाना क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में किराए पर रहने वाले एक सिक्यो. रिटी गार्ड भागीराम ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया. दरासल भाग. ीराम ने दो शादियां की थी. पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर वो अलग रहने लगा था. गार्ड भागीराम की पहली शादी सीमा नाम की युवती से हुई थी. जिसके बाद भागीरथ को एक और महिला उषा से प्यार हुआ और उसने पहली पत्नी को बिना बताए ही उससे शादी कर ली और बाहर रहने लगा. भागीराम लखनऊ में गार्ड की नौकरी करता था.पत्नी को गोली मार उतारा मौत के घाट पहली पत्नी सीमा घाटमपुर में रहती थी तो दूसरी पत्नी कानपुर देहात के पुखरायां कस्बे में रहती थी. लेकिन पहली पत्नी से दूरी बनाकर दूसरी पत्नी के पास गार्ड भागीराम नौकरी से छुट्टी मिलने के बाद जाता था. लेकिन कई दिनों तक घर न पहुंचना उसके लिए काल बन गया. दूसरी पत्नी उषा के अवैध संबंधों का भागीरथ को शक गहराया और छुट्टी लेकर लखनऊ से कानपुर देहात पहुंचा. गार्ड ने देर रात पत्नी को अपनी बंदूक से गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया.आरोपी गार्ड को पुलिस ने किया गिरफ्तार घटना स्थल पर हत्या की सूचना पर तमाम अधिकारी पहुंचे फा. रेंसिक टीम और मौका मुआयना किया गया. आरोपी गार्ड को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया. वहीं पुलिस कप्तान बीबीजीटीएस मूर्ती ने बताया की आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है. वहीं तभी हत्या की वजह पूछताछ में साफ होगी.।

साहब मैं जिंदा हूं, कागजों में मत मारिए, दर-दर भटक रहा बुजुर्ग, बाराबंकी में फिल्म कागज वाली कहानी

विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते दस्तावेजों में मृत घोषित कर दिया गया

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी का है. यहां 72 साल के बुजुर्ग को विभाग ने कागज पर मृत घोषित कर दिया है. बुजुर्ग को इस बात का पता तब चला, जब वह पेंशन लेने ग्राहक सेवा केंद्र पहुंचे. वहां उन्होंने पेंशन देने के लिए कर्मचारी से कहा तो वह बोला कि आपकी पेंशन किसी वजह से रुक गई है.आपने बॉलीवुड की कागज फिल्म तो देखी ही होगी, जिसमें एक जिंदा आदमी को विभागीय अधिकारियों की लाप. रवाही के चलते दस्. तावेजों में मृत घोषित कर दिया गया था. इसके बाद वह शख्स अपने आप को जिंदा साबित करने के लिए सालों तक विभागों के चक्कर लगाता रहा. इस फिल्म में उस शख्स का रोल पंकज त्रिपाठी निभा रहे थे. ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के बारांबकी से सामने आया है. यहां एक 72 साल के बुजुर्ग को विभाग ने कागजों में मृत घोषित कर दिया है. उसके घरवाले परेशान हैं. वेलगातार विभागीयअधिकारियों से बुजुर्ग के जिंदा होने का प्रमाण दे रहे हैं, लेकिन उनकी समस्या अधिकारी समस्या के समाधान पर ध्यान नहीं दे रहेघरवालों ने कहा कि 72 साल की उम्र में बुजुर्ग को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं. कोई भी अधिकारी उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है. कागजों में ये गड़बड़ी कैसे हुई, ये उन्हें पता नही है. विभाग इस संबंध में कुछ भी नहीं बता रहा है. ऐसे में क्या करें, कुछ समझ में नहीं आ रहा

यूपी के इस इलाके से है आतिशी का गहरा नाता, 18 साल पहले यहीं लिए थे सात फेरे

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है. जिसके बाद आतिशी मर्लिना दिल्ली की मुख्यमंत्री होंगी. आतिशी का यूपी से भी खास कनेक्शन है. आतिशी यूपी के वाराणसी की बहू हैं. 18 साल पहले वाराणसी के लंका क्षेत्र में रहने वाले प्रवीण सिंह से उनकी शादी हुई थी. उनका परिवार आज भी यहीं रहता है. आतिशी के पति समाज सेवा से जुड़े हुए हैं. आतिशी और प्रवीण की शादी साल 2006 में बनारस में हुई थी. । दिल्ली की राजनीति में आने से पहले वो यहीं पर अपने पति के साथ रहती थीं. उनके पति प्रवीण सिंह भी समाज सेवा से जुड़े हैं. दोनों की मुलाकात समाज सेवा के कार्य करने के दौरान ही हुई, दोनों ने यहां के गाँवों के विकास के लिए कई काम किए. जिसके बाद उन्होंने शादी कर ली.

काशी नगरी से है खास कनेक्शन. आतिशी कि पति प्रवीण सिंह भी काशी के पढ़े–लिखे और बौद्धिक परिवार से आते हैं. आतिसी ने पति के साथ मिलकर गावों के उत. थान, किसानों क और खेतीबाड़ी को बढ़ाने के लिए मिलकर काम किया. वैचारिक समानता की वजह से आतिशी को भी पति से पूरा समर्थन मिला और फिर उन्होंने अरविंद केजरीवाल के साथ अपनी मुहिम को आगे बढ़ाया. आतिशी मर्लिना ने दिल्ली आईआईटी से इंजीनियरिंग और आईआईएम अहमदाबाद से मैनेजमेंट की डिग्री ली है. उन्होंने दिल्ली से सेंट स्टीफन कॉलेज से पढ़ाई की, जिसके बाद वो समाज से जुड़े काम करती रही है. उनके पति प्रवीण ने भी अपना जीवन समाज सेवा को ही समर्पित कर दिया है. अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आकर अपने इस्तीफा दे दिया है. केजरीवाल ने आतिशी मर्लिना को अपनी जिम्मेदारी दी है. आतिशी उनके भरोसेमंद नेताओं में आती हैं. पार्टी की मुश्किल घड़ी में भी वो हमेशा पार्टी के साथ मजबूती से खड़ी नजर आई थीं. यहीं यही नहीं वो दिल्ली कैबिनेट की सबसे हेवीवेट मंत्री भी रही. केजरीवाल के जेल जाने के बाद उन्होंने सबसे ज्यादा मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली. ।

यूपी के इन बस अड्डों से दो साल तक नहीं मिलेंगी बसें,

उत्तर प्रदेश में 23 बस अड्डों का आधुनिकीकरण और पुनर्निमाण किया जा रहा है. ये आधुनिकीकरण अगले दो सालों में पीपीपी मॉडल के तहत किया जा रहा है, लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर आधुनिकीकरण के बाद आने वाले महीनों राज्यभर के कई बस अड्डों पर ये काम शुरू होने जा रहा है. जिसकी वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. अकेले लखनऊ की बात करें तो मुख्य बस अड्डा चारबाग करें तो यहां हो रहे आधुनिकीकरण की वजह से करीब 350 बसें और 5,000 यात्री प्रभावित होने का अनुमान है. जब तक इन बस अड्डों का निर्माण कार्य होगा. तब तक आसपास वैकल्पिक स्थान पर टेंपरेरी बस अड्डा बनाया जाएगा, जहां से बसे चलेंगी. चारबाग के बाद जल्द ही रायबरेली में भी आधुनिक बस अड्डों का काम शुरू हो जाएगा. 23 बस अड्डों का होगा आधुनिकीकरणइससे पहले यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने ऐलान किया था कि यूपी में 23 बस अड्डों को पीपीपी मॉडल के आधार पर स्वतंत्र कंपनियों के साथ मिलकर आधुनिकरण किया जाएगा. उन्होंने बताया कि लखनऊ डिवीजन में ही दो बस अड्डों और दो वर्कशॉप का आधुनिकीकरण किया जाना है. इनमें चारबाग और रायबरेली के बस अड्डों के साथ गोमती नगर और अमौसी की वर्कशॉप शामिल हैं. यूपीएसआरटीसी लखनऊ के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने कहा कि रायबरेली बस अड्डे से ही 300 से अधिक रोडवेज बसों को संच. ालन होता है. जिनमें रोजाना 3000 से 4000 यात्री सफर करते हैं. लेकिन आने वाले समय में उन्हें वैकल्पिक स्थान से बस पकड़नी होंगी. यात्रियों को अगले डेढ़ से दो साल परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. यूपीएसआरटीसी के महाप्रबंधक (पीपीपी प्रोजेक्ट) यजुवेंद्र कुमार ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अगले कुछ हफ्तों में ऐसी ग्यारह परियोजनाओं को शुरू किया जाएगा. इस संबंध में पहले ही जानकारी दी जा चुकी है. इन ग्यारह परियोजनाओं में चार लखनऊ डिवीजन, गाजियाबाद, कौशांबी, प्रयागराज और आगरा बस अड्डा शामिल है. बस अड्डों के आधु. निकीकरण के चलते यात्रियों को नए बस अड्डों के साथ तालमेल बिठाना होगा. हालांकि पुनर्निर्माण कार्य होने के बाद वे नई सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे.

दिल्ली के करोल बाग में भरभराकर गिरी इमारत, आठ को सुरक्षित बाहर निकाला,

देश की राजधानी दिल्ली के करोल बाग इलाके के बापा नगर में मकान गिरने की सूचना सामने आई है. दिल्ली फायर सेवा विभाग के अफसरों के मुताबिक मकान के मलबे में कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है. राहत कार्य में जुटी एजेंसियों ने आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला.इस घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद दिल्ली फायर विभाग की पांच दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं. फिलहाल, करोल बाग के बापा नगर स्थित अंबेडकर गली हिल मार्केट में एक पुराना तीन मंजिला मकान ढहने के बाद बचाव कार्य जारी है. घटनास्थल पर लोगों में भय का माहौल है.

मूर्ति विसर्जन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली में पिकअप ने मारी टक्कर, दो की मौत

उत्तर प्रदेश के बड़ौत में देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली में पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और चार घायल हो गए।उत्तर प्रदेश के बड़ौत–अमीनगर सराय मार्ग पर मंगलवार देर रात भगवान गणेश की मूर्ति विसर्जन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेते हुए पिकअप को कब्जे में ले लिया है।वाजिदपुर गांव से श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली में यमुना नदी में भगवान गणेश की मूर्ति को विसर्जन करने गए थे। मंगलवार रात लगभग 11. 30 बजे श्रद्धालु वहां से लौट रहे थे, तो बड़ौत–अमीनगर सराय मार्ग पर सामने से आ रही पिकअप गाड़ी ने ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मार दी। जिससे श्रद्धालुओं में चींख पुकार मच गई गई। इस दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली में बैठे अभिषेक, दीपू पुत्र अनिल कश्यप, दीपक पुत्र राजकुमार, दीपक पुत्र अनिल, आर्यन उर्फ काला व मोनू पुत्र सुनील गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें से अभिषेक और दीपू ने दम तोड़ दिया, जबकि अन्य चारों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।लोगों ने पिकअप गाड़ी चालक को पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भि. जवा दिया।सीओ विजय चौधरी ने बताया कि हादसा देर रात हुआ है सराय रोड पर पिकअप ने ट्रैक्टर टॉली में टक्कर मारी है दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार श्रद्धालु घायल हो गए हैं। चालक को हिरासत में लेकर कार्रवाई की जा रही है। उधर, मृतकों के परिजन गमगीन है।

एटा, मैनपुरी समेत इन जगहों पर फिर लगी बारिश की झड़ी, चक्रवाती तूफान 'यागी' के चलते 3 दिन और जमकर बरसेंगे बदरा

एटा, मैनपुरी समेत इन जगहों पर फिर लगी बारिश की झड़ी, चक्रवाती तूफान 'यागी' के चलते 3 दिन और जमकर बरसेंगे बदरा उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर एक बार फिर से शुरू हो गया है. चक्रवाती तूफान 'यागी' के कारण राज्य में तीन दिनों तक भारी बारिश होने का अनुमान है.मौसम विभाग के अनुसार आज कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है. तेज हवाएं भी चलेंगी.उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से बारिश का दौर शुरू हो गया है. बुधवार रात से ही बारिश शुरू हुई जो अभी तक जारी है. बारिश से तापमान में गिरावट आई है वातावरण में ठंडक हो गई है. इन दिनों उत्तर प्रदेश में चक्रवाती तूफान यागी का प्रकोप देखने को मिल रहा है. मौसम विभाग के अनुसार 18 सितंबर को राज्य के ज्यादातर हिस्सों में झमाझम बा. रिश का अनुमान है. बारिश के साथ ही तेज हवाओं के चलने का भी अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में तीन दिन जमकर बरसात होगी. मौसम विभाग ने लखनऊ, गोरखपुर, अयोध्या, गाजीपुर, दिल्ली–नोएडा, अलीगढ़ समेत कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हैआज, 18 सितंबर को यहां होगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में लखनऊ, अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, गाजीपुर, चंदौली, सोनभद्र, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, महारा. जगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, आगरा, फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी, इटावा, औरैया, कन्नौज, उन्नाव, रायबरेली,कानपुर देहात, कानपुर नगर, अमेठी में भारी बारिश हो सकती है. प्डक के अनुसार आज प्रयागराज, फतेहपुर, झांसी, कौशांबी, प्रतापगढ़, हमीरपुर, महोबा,ललितपुर, बांदा, चित्रकूट और आसपास के क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. वहीं औरैया, जालौन, आगरा, फिरोजाबाद, मै. नपुरी,वाराणसी, इटावा, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, संतर. विदास नगर, जौनपुर, अमेठी, सुल्तानपुर औ एटा में भारी बारिश का अनुमान हैं.

गरजेंगे बादल और गिरेगी बिजलीकई जिलों में बादल गरजने और बिजली गिरने की भी आशंका है. ये जिले लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, बांदा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, झांसी, ललितपुर, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, आगरा, चित्रकूट, कौशांबी, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, कानपुर ग्रामीण, कानपुर नगर, उन्नाव, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, अलीगढ़, मथुरा, संतरविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, , बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, हाथरस, कासगंज, एटा और औरैया हैं।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र **जन नायक सम्राट** के लिये जिला ब्यूरो चीफ, मण्डल ब्यूरो चीफ, ब्लॉक ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें–
अमित कुमार वर्मा
सम्पादक
मो. 8218049162, 8273402499

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।

भारत विरोधी जस्टिन ट्रूडो को झटका, मॉन्ट्रियल उपचुनाव में लिबरल कैंडिडेट को मिली करारी हार

कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी को मॉन्ट्रियल संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में करारी हार मिली है. मॉन्ट्रियल सीट को लिबरल पार्टी के लिए काफी सुरक्षित माना जाता है. मंगलवार आए नतीजों को प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के लिए काफी खतरनाक माना जा रहा है. इन नतीजों के बाद पार्टी में ही जस्टिन ट्रूडो का विरोध शुरू हो गया है. कनाडा के इलेक्शन कमीशन ने बताया कि लासेल–एमार्ड–वर्डुन में वोटों की गिनती पूरी हो गई है. इस सीट पर अलगाववादी ब्लॉक क्यूबेकॉइस उम्मीदवार लुई–फिलिप सॉवे ने लिबरल उम्मीदवार लौरा फिलिप्‌स तीनी को हरा दिया है.

लगाववादी ब्लॉक क्यूबेकॉइस उम्मीदवार को 28 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि लिबरल उम्मीदवार को 27.2 फीसदी वोट मिले हैं. न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे और उनको 26.1 फीसदी वोट मिले. यह उपचुनाव लिबरल पार्टी के सांसद की तरफ से इस्तीफा देने के बाद हुआ है, जिन्होंने अपने कार्यकाल के बीच में ही पद को छोड़ दिया था. माना ये जा रहा है कि इस चुनाव परिणाम का असर ट्रूडो के राजनीतिक करियर पर पड़ने वाला है, क्योंकि ट्रूडो 9 साल के कार्यकाल के बाद तेजी से अलो. कप्रिय हुए हैं. बढ़ती महंगाई से परेशान हैं कनाडा के निवासीइन स्थितियों के बावजूद साल 2025 के अंत में होने वाले आम चुनाव को जस्टिन ट्रूडो अपने नेतृत्व में लड़ना चाहते हैं. हालांकि, ट्रूडो की पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की मांग की है. क्यूबेक निर्वाचन क्षेत्र से लिबरल विधायक एलेक्जेंड्रा मेंडेस ने बीते सप्ताह कहा कि उनके कई मतदाता चाहते हैं कि जस्टिन ट्रूडो पीछे हट जाएं. दरअसल, कनाडा के लोग मौजूदा समय में जीवन की बढ़ती लागत और आवास संकट से जूझ रहे हैं. ऐसे में जस्टिन ट्रूडो की लोकप्रियता लगातार घटती जा रही है. ट्रूडो की पार्टी कैसे हुए पीछे? साल 2021 के आम चुनाव में लिबरल पार्टी ने मॉन्ट्रियल सीट पर 43 फीसदी वोट के साथ जीत दर्ज की थी. तब ब्लॉक क्यूबेकॉइस को 22 फीसदी और न्यू डेमोक्रे. टिक को 19 प्रतिशत वोट मिले थे. उपचुनाव में लिबरल पार्टी को मिली यह हार ट्रूडो के लिए किसी चेतावनी से कम नहीं है. हालिया सर्वेक्षणों से पता चलता है कि संघीय चुनाव में लिबरल पार्टी बुरी तरह हार रही है. बीते सप्ताह लेगर पोल ने बताया कि इस बार कंजर्वेटिव पार्टी को 45 प्रतिशत समर्थन मिलने की उम्मीद है, वहीं 25 फीसदी वोट शेयर के साथ लिबरल पार्टी दूसरे स्थान पर है.

नागपुर में छोटी बहन के सामने 9 साल की बच्ची से रेप, चुप रहने के लिए दिए 20 रूपये

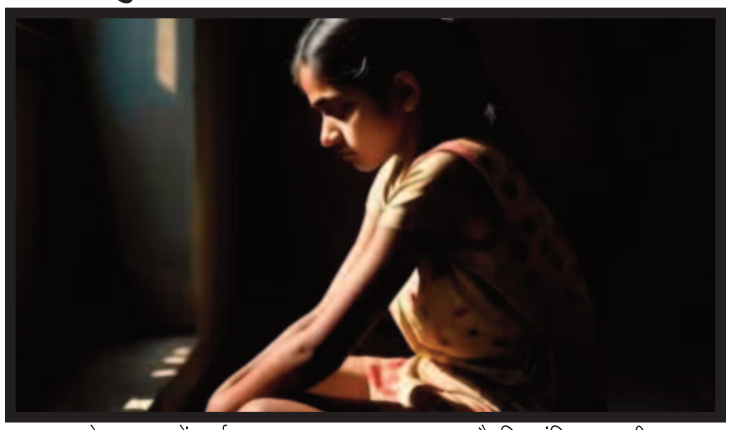

महाराष्ट्र के नागपुर में शर्मनाक मामला सामने आया है. रविवार की शाम 4 बजे के करीब नागपुर के परडी इलाके में 9 वर्षीय लड़की के साथ रेप की घटना हुई. आरोपी की पहचान अब तक नहीं हो सकी है.पुलिस ने बताया कि अज्ञात आरोपी ने जिस समय रेप की घटना को अंजाम दिया, उस समय 5 साल की उसकी बहन भी वहां मौजूद थी और उसे चुप रहने के लिए उसने 20 रुपये दिए. पुलिस ने बताया कि नाबालिगों के माता पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और इस घटना के समय दोनों काम पर गए हुए थे. पीड़िता ने बताई आपबीतीयह घटना तब सामने आई जब पीड़िता ने अपने माता–पिता को काम से लौटने पर अपनी आपबीती सुनाई. जानकारी मिलते ही माता–पिता पारडी पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा. एक अधिकारी ने बताया की मेडिकल जांच में रेप की पुष्टि हुई है. 5 वर्षीय बहन से मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस का मानना है कि संदिग्ध मराठी भाषा बोलता है और वो माथे पर तिलक लगाता है. उसे यह भी शायद पता था कि लड़कियां दिन में अकेली रहती हैं क्योंकि उनके माता–पिता काम पर चले जाते हैं और शायद वह परिवार से परिचित होपुलिस ने बताया कि आरोपी नाबालिगों के उस घर में जहां वे किराए पर रहते हैं, वह यह पूछने के बहाने घुसा कि क्या उनके माता–पिता घर पर हैं. आदित्य ठाकरे का निशानाइसी मामले पर शिवसेना नेता और विधायक आदित्य ठाकरे ने पर पोस्ट कर एकनाथ शिंदे सरकार पर निशाना साधा है.उन्होंने कहा महाराष्ट्र के लिए, अवैध और बेशर्म मुख्यमंत्री, प्रशासन के बारे में जितना संभव हो सके उतना अनभिज्ञ हैं. वे अपनी तस्वीर के लिए अभिनेताओं को आमंत्रित करने में व्यस्त हैं. उन्होंने राज्य को अराजकता में डूबने के लिए छोड़ दिया है. कानून का कोई डर नहीं. गृह मंत्री गंदी राजनीति में व्यस्त हैं.।

राहुल गांधी के खिलाफ हो रही बहुत बड़ी साजिश, उनकी जान को खतरा, संजय राउत का बड़ा दावा

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश हो रही है. उनकी जान को खतरा है. मैं पहले बोल चुका हूं. प्रधानमंत्री और होम मि. निस्टर को राहुल गांधी पर बोलने वाले पर कार्रवाई करना चाहिए.शिवसेना के विधायक ने दिया था विवादित बयानबता दें कि शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड ने राहुल गांधी और कांग्रेस को लेकर विवादित बयान दिया है. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा था कि उनके कार्यक्रम में आने वाले कांग्रेसी कुत्ते को वो दफना देंगे. इससे पहले आरक्षण वाले बयान पर विधायक संजय गायकवाड ने राहुल गांधी की जीभ काटकर वाले को इनाम देने की घोषणा की थी. शिवसेना विधायक के बयान से प्रदेश बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बा. वनकुले ने पार्टी को अलग कर लिया था. उन्होंने कहा कि बीजेपी महायुति सरकार का घटक है. लेकिन मैं गायकवाड की टिप्पणियों का समर्थन नहीं करूंगा.रवनीत बिट्टू और बीजेपी–शिवसेना के नेताओं पर थ्र्त्राहुल गांधी के खिलाफ विवादित टिप्पणी देने और धमकी भरे बयान देने के खिलाफ कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, बीजेपी और शिवसेना के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है. कांग्रेस नेता अजय माकन ने इन सबके खिलाफ दिल्ली के तुगलक रोड थाने में शिकाय दर्ज करवाई है. उन्होंने कहा कि राहुल गाधी को इसलिए धमकी दी जा रही है क्योंकि वे दलित, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और गरीबों के हित और संविधान बचाने की बात करते हैं.

कांग्रेस नेता अजय माकन ने आगे कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस इन नेताओं की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं. माकन ने केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, बीजेपी नेता तरविंदर मारवाह, यूपी सरकार के मंत्री रघुराज सिंह और शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351, 352, 353 और 61 के तहत मामला दर्ज करवाया है.

आदित्य ठाकरे ने बांग्लादेशी टीम के भारत दौरे पर केंद्र को घेरा

और आईएएस अधिकारी बन गए. शुरुआत में उन्हें ।ळडन्ज कैडर मिला था और वह जम्मू–कश्मीर के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में निदेशक के तौर पर काम करते थे, लेकिन बाद में इंटर कैडर डेपुटेशन के आधार पर वह यूपी कैडर में आईएएस अधिकारी के रूप में आ गए. उत्तर प्रदेश में उन्होंने हमीरपुर जिले के. कलेक्टर के पद की कमान संभाली और अब हाथरस पहुंचे हैं.आईएएस राहुल पांडेय की शुरुआती पढ़ाई गाजियाबाद से हुई थी. नेहरू पब्लिक स्कूल से उन्होंने हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी की थी, जबकि छबीलदास पब्लिक स्कूल से इंटर किया था. इसके बाद उन्होंने वैष्णो देवी कटरा से इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्यूनिकेशन में बीटेक किया था. उन्हें गोल्ड मेडल भी मिला था.हमीरपुर में खूब की थी जनसमस्याओं की सुनवाईआईएएस राहुल पांडेय साल 2013 में जब हमीरपुर में तैनात थे, तब शिकायतों के निपटारे में वह उत्तर प्रदेश के टॉप डीएम थे. उन्होंने डीएम रहते जिले में आम लोगों की शिकायतों का खूब निवारण किया था.।

तब आशीष कुमार यहां के जिलाधिकारी थे और उन्हें कार्यभार ग्रहण किए अभी कुछ ही दिन हुए थे. इस मामले ने डीएम आशीष कुमार के लिए मुश्किलें पैदा कर दी, जिसके करीब ढाई महीने बाद उनका ट्रांसफर कर दिया गया और राहुल पांडेय को हाथरस का नया जिलाधिकारी बना दिया गया.राहुल पांडेय 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. गाजियाबाद के रहने वाले आईएएस राहुल पांडेय को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में एक नहीं बल्कि दो बार सफलता मिली है. साल 2011 में उन्होंने पहली बार यूपीएससी क्रैक किया था और 106वीं रैंक के साथ आईपीएस अधिकारी के लिए चुने गए थे. उन्होंने कुल 1750 अंकों की लिखित परीक्षा में 711 अंक हासिल किए थे. सबसे ज्यादा उन्हें लोक प्रशासन में 229 मार्क्स मिले थे.दो प्रयासों में हो गए थे फेलआईएएस राहुल यूपीएससी के अपने शुरुआती दो प्रयासों में फेल हो गए थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और तीसरे प्रयास में आ. ईपीएस बने फिर साल 2013 में उन्होंने चौथी बार यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा दी और इस बार उन्होंने ऑल इंडिया 52वीं रैंक हासिल की.

आतिशी 21 सितंबर को ले सकती हैं सीएम पद की शपथ, स्ळ ने राष्ट्रपति को भेजा पत्र

अरविंद केजरीवाल के सीएम पद से इस्तीफे के बाद अब दिल्ली में आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की नई सरकार बनने जा रही है. सूत्रों के मुताबिक 21 सितंबर (शनिवार) को आतिशी दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकती हैं.दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने राष्ट्रपति और गृह मंत्रालय को पत्र भेजकर 21 सितंबर 2024 को आ. तिशी को सीएम पद की शपथ दिलाने की तिथि प्रस्तावित की है. हालांकि आतिशी द्वारा शपथ ग्रहण की कोई तिथि प्रस्तावित नहीं की गई है. अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया. केजरीवाल द्वारा उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद नामित मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को ही नई सरकार बनाने का अपना दावा पेश किया.दिल्ली की सबसे कम उम्र की सीएम होंगी आतिशीशीला दीक्षित, दिल्ली की सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रही थीं, जिन्होंने 1998 से 2013 तक 15 वर्षों तक यह पद संभाला था। वहीं, स्वराज का कार्यकाल 1998 में 52 दिनों का रहा था. वहीं आ. तिशी (43) दिल्ली की सबसे कम उम्र की मुख्यमंत्री होंगी और पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी के बाद देश की दूसरी मौजूदा महिला मुख्यमंत्री होंगी. शीला दीक्षित 60 साल की आयु में दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी थीं, जबकि स्वराज ने 46 साल की उम्र में यह पद संभाला था।मंत्रिमंडल में अहम विभाग संभाल चुकी हैं आतिशी आतिशी वर्तमान में दिल्ली मंत्रिमंडल में सबसे अधिक विभागों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं. वह वित्त, जल, शिक्षा, लोक निर्माण, बिजली, राजस्व, योजना, सेवा, कानून, सतर्कता और अन्य प्रमुख विभागों की मंत्री हैं. आतिशी ने आम आदमी पार्टी की स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर केजरीवाल और आप के अन्य वरिष्ठ नेताओं के जेल में बंद रहने के दौरान, जब उन्होंने (आतिशी ने) अन्य ने. ताओं के साथ मिलकर पार्टी का संचालन किया

मुस्लिम औरतों को भी वही इनाम मिलेगा जो मर्दों को, 72 हूरों के सवाल पर जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने और क्या कहा?

जमीयत उलेमा–ए–हिंद (महमूद गुट) के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने जन्नत में 72 हूरों को लेकर बड़ा बयान दिया है. उनका कहना है कि इस्लाम में इनाम की बातें हैं कि लेकिन इसको ज्यादा बढ़ा–चढ़ाकर लोगों को बताया जा रहा है. उन्होंने म. हलाओं को हुरें मिलने के सवाल पर कहा कि उन्हें भी वही इनाम मिलेगा जो मर्दों को मिलेगा.इंडिया टीवी के प्रोग्राम श्आपकी अदालतश में मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि इस्लाम में सजा और इनाम की बाते हैं, लेकिन ज्यादा ही बढ़ा–चढ़ाकर लोगों को बयां किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जब समाज का कोई सिस्टम बनाया जाता है तो उसमें दोनों बातें होती हैं. सजा भी होती है इनाम भी होता है. उन्होंने कहा, श्कहीं इनाम का जिक्र होगा, लेकिन उसको बढ़ा–चढ़ा कर बयां किया जा रहा है. ऐसी चीजें ढूंढी जाती हैं. इसी तरह का है कि बहुत ज्यादा उसको प्रोपेगेंडा के तौर पर प्रेजेंट किया जा रहा है. वरना सजाएं बहुत सारी हैं और हर धर्म में हैं. सिर्फ इस्लाम की बात नहीं है. सब जगह इनाम और सजाएं दोनों चीजें रखी गई हैं.मुस्लिम महिलाओं को जन्नत में क्या मिलेगा? ये पूछे जाने पर कि जन्नत में महिलाओं को क्या मिलेगा, उनसे पूछा गया कि एक पाकिस्तानी जर्नलिस्ट ने एक मौलाना से पूछा कि मेरे पति को तो जन्नत में हूरें मिलेंगी तो मुझे क्या मिलेगा. इस सवाल के जवाब में मौलाना महमूद मदनी ने कहा, श्मैं तो चाहता हूं कि पाकिस्. तान का तो जिक्र ही न किया जाए. इस सवाल के जवाब में मैं कहना चाहूंगा कि जो इनाम मर्दों को मिलेगा वही महिलाओं को भी मिलेगा और जो बुरे काम करने पर मर्दों को सजा मिलेगी, वो सजा म. हलाओं को भी मिलेगी. ऐसा नहीं हो सकता कि इनाम–सजा मर्दों के लिए कुछ और हो और महिलाओं के लिए कुछ और. अगर पति वापस मिलने का ऑप्शन मिला तो महिलाओं को यह इख्तियार मिलेगा कि वह उसको चूज करे या न करे.ज्यादा बच्चे पैदा करने के सवाल पर क्या बोले मौलाना मदनी?
मुस्लिम परिवारों में बच्चों की संख्या को लेकर किए गए सवाल के जवाब में मौलाना महमूद ने कहा, श्ये सवाल ही गलत है क्योंकि आप कह रहे हैं कि मुस्लिम कम्युनिटी में ज्यादा बच्चे क्यों पैदा होते हैं. डेटा के हिसाब से देखें तो वह कहता है कि कम पढ़े–लिखे और गरीब लोगों में बच्चे ज्यादा होते हैं. उसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों हैं. आप तालीम दे दीजिए तो सही तादाद में बच्चे हो जाएंगे, उनकी एजुकेशन, अपलिफ्टमेंट और मुल्क की तरक्की भी हो जाएगी.

राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय बस 10 फीसदी कार्य अब तक अधूरा, 21 अक्तूबर को पहला दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति के आने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) का भवन निर्माण अभी 10 फीसदी तक अधूरा है। 90 फीसदी कार्य पूर्ण होने के बाद अब उसकी गुणवत्ता जानने के लिए दो विशेषज्ञों को जिम्मेदारी दी गई है। विवि भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक कक्ष, पुस्तकालय, कॉमन रूम, छात्रावास, वीसी लॉज, अधिकारियों के आवास सहित अन्य कर्मचारियों के आवास का निर्माण हो चुका है। केवल उसमें फिनिशिंग का काम रह गया है। 13 सितंबर को बारिश का पानी विवि परिसर में आ गया था, क्योंकि विवि की आधार बीम सड़क से दो फुट नीचे है। आसपास इलाकों से बारिश का पानी सड़क के जरिये परिसर में आ गया था। ऐसा कोई कक्ष नहीं था, जहां पानी न भरा हो। विवि निर्माण के दौरान आधार की बीम सड़क से ऊंची न होने पर कुलपति ने आपत्ति जताई थी, जिस पर दो–तीन महीने निर्माण कार्य भी रुक गया था। कुलपति चाहते थे कि सड़क से बीम की ऊंचाई कम से कम पांच फुट होनी चाहिए, ताकि जलभराव की समस्या न हो। मगर ऐसा नहीं हुआ। विवि का निर्माण कार्य 90 फीसदी पूर्ण हो चुका है। विवि में निर्माण और बिजली कार्य की गुणवत्ता जानने के लिए विवि प्रशासन ने दो विशेषज्ञों की तैनाती की है, जो विवि प्रशासन को रिपोर्ट सौंपेंगे।

विवि का निर्माण कार्य 90 फीसदी हो चुका है। केवल फिनिशिंग का काम रह गया है। पिछले दिनों परिसर में बारिश का पानी आ गया था। भविष्य में जलभराव न होने पाए। इसके लिए इंजीनियरों से राय ली जाएगी।

अलीगढ़ में 3 नवंबर तक लागू रहेगी धारा–163 संवेदनशील माहौल को देखते हुए लागू हुई व्यवस्था, त्योहारों में फोर्स भी रहेगी एक्टिव

अलीगढ़ शहरी क्षेत्र में धारा 163 लागू करने के साथ ही त्योहारों के दौरान शहर के संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों में फोर्स भी तैनात रहेगी। पुलिस के साथ ही सादी वर्दी में भी टीमें मुस्तैद रहेंगी और हर एक संदिग्ध गतिविधि पर अपनी नजर बनाकर रखेंगी। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में भी निगरानी की जाएगी अलीगढ़ के संवेदनशील माहौल को देखते हुए प्रशासन ने एक बार फिर धारा–163 लागू कर दी है। बीएनएस लागू होने के बाद धारा–144 की जगह धारा 163 ने ले ली है। अब कि बार शहर में यह व्यवस्था लागू की गई है। जो 3 नवंबर तक रहेगी।

डीएम के निर्देश के बाद शहर में लागू की गई है व्यवस्था

वृहद रोजगार मेले का आयोजन 20 सितम्बर को आईटीआई परिसर में

अलीगढ राजकीय आई0टी0आई0 परिसर स्थित क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर, राजकीय आई0टी0आई0 एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में वृहद रोजगार मेले का आयोजन 20 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। मेले में 08 कम्पनियों द्वारा लगभग 1500 रिक्त पदों पर चयन कर बेरोजगारों को स्थल पर ही ऑफर लैटर वितरित किये जायेंगे।जिला सेवायोजन अधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में डिक्शन प्रा0लि0 नोयडा, बंधन स्किल डवलपमेन्ट सेन्टर अलीगढ़, विजन इण्डिया सर्विस नोयडा, वैलकरो प्रा0लि0 कानपुर, टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेन्ट सेन्टर एवं अन्य के द्वारा मार्केटिंग, अप्रेन्टिशिप, अकाउण्टेन्ट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाईजर, सुपरवाईजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टैक्नीशियन, टेलीकालर के पदों पर हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आई0टी0आई0, डिप्लोमा, बी0टैक0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0, एम0बी0ए० उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल (तवरहंतेंदहंउ.नच.हवअ.पद) पर रजिस्ट्रेशन करें एवं लॉगिन करें।उन्होंने कहा कि उक्त पोर्टल पर रजिस्टर्ड अभ्यर्थी ही रोजगार मेले में प्रतिभाग कर पायेंगें। रोजगार मेले में सभी आवेदित अभ्यर्थी अपने साथ पंजीयन कार्ड (एक्स–10), समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की फोटो एवं मूल प्रति, फोटो आई0डी0, 02 फोटो एवं रिज्यूमे लेकर अवश्य आयें। रिक्तियों का विस्तृत विवरण सेवायोजन पोर्टल पर देखें किसी भी असुविधा के लिये सेवायोजन कार्यालय से सम्पर्क करें।

औरंगजेब की हत्या गैरइरादतन..पुलिस की चार्जशीट दाखिल

अलीगढ़। महानगर के अतिसंवे. दनशील मामू भांजा रंगरेजान में 18 जून की देर रात फरीद उर्फ औरंगजेब की हत्या गैरइरादतन थी। यह तथ्य पुलिस ने विवेचना और फॉरेंसिक टीम द्वारा क्राइम सीन रिक्रियेशन के आधार पर माना है। इसी आधार पर मंगलवार को पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धारा में चार्जशीट दायर की है। सीजेएम न्यायालय में दायर चार्जशीट को स्वीकारते हुए अग्रिम प्रक्रिया के लिए 20 तारीख नियत कर दी है। ये घटना इसी वर्ष 18 जून की देर रात की है। घटना का मुकदमा घास की मंडीरंगरेजान निवासी मृत युवक औरंगजेब के भाई ने गांधीपार्क थाने में दर्ज कराया था। जिसमें कहा था कि उनका भाई रोटी बनाकर लौट रहा था। तभी उसे नामजदों ने गैर समुदाय का होने के चलते सामूहिक रूप से भीड़ हिंसा के तहत घरकर पीटा। जब उन्हें खबर मिली और मौके पर पहुंचे तो उसे मरणासन्न हालत में जिला अस्पताल लेकर गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वहं नामजद पक्ष का आरोप था कि वह डिंपी अग्रवाल के घर में चोरी के इरादे से घुसा था। वहां देख लिए जाने पर झीने से उतरते समय पैर फि. सलने पर गिरकर जख्मी हुआ। पुलिस उसे अपने साथ घायल अवस्था में लेकर गई। जिला अस्पताल में मृत घोषित किया गया। इसी आधार पर आरोपी पक्ष ने मृत औरंगजेबए उसके भाई आदि साथियों पर घर में लूट करनेए महिलाओं से अभद्रता करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी पक्ष की ओर से दर्ज मुकदमे पर हाईकोर्ट ने सरकार से सवाल पूछा है और उसके भाई की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुल 21 चोटों का उल्लेख औरंगजेब के शव पर किया। जिसमें खुरसट जैसी चोटें सामने के हिस्से पर व पिछले हिस्से में पसलियां टूटने जैसी चोटों का उल्लेख है। इधर, इस मामले में संयुक्त निदेशक फॉरेंसिक ने क्राइम सीन रिक्रियेट करने के लिए एक टीम बनाई। जिसमें आगरा के वैज्ञानिक सुधीर गुप्ता, शुभम माना, फोटोग्राफर धर्मेंद्र सिंह, अलीगढ़ की डा. पुनीता श्रीवास्तव, रविकांत, युवराज के अलावा थाना प्रभारी शामिल रहे। मौके पर 25 अगस्त को शव का डमी लेकर सीढ़ियों से कईबार गिराया गया। साथ में बरामद साक्ष्यों व पोस्टमार्टम रिपोर्टका परीक्षण किया गया। इसके आधार पर आईं 21 चोटों, पिछले हिस्से में पसलियां टूटना, अत्यधिक रक्तस्राव आदि का अध्ययन किया। जिसमें पाया कि शरीर सीढ़ियों से तेज गति से गिरा होगा और कठोर सीढ़ियों से टकराने से विभिन्न चोटों व घिसाव–रगड़ का आना संभव है। सीढ़ियों के गिरने से चोटों की संभावना नहीं नकारी जा सकती। बाकी चोटों के संबंध में राज्य मेडिकोलीगल एक्सपर्टसे भी राय ली जा सकती है।

निराश्रित गोवंश के बांधी रेडियम बेल्ट,

सड़कों पर निराश्रित गोवंश से टकराकर लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं। इसमें राहगीर के साथ ही गोवंश भी घायल हो जाते हैं। रात के समय वाहन चालकों को दूर से ही निराश्रित गोवंश दिख जाएं इसके लिए अभियान चलाकर उनके गले में रेडियम बेल्ट बांधी जा रही है।सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंश के गले में बज. रंगदल कार्यकर्ताओं ने रेडियम बेल्ट बांधी। इससे राहगीर गोवंश से नहीं टकराएंगे।आदित्य सैनी ने बताया कि सड़कों पर निराश्रित गोवंश से टकराकर लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं। इसमें राहगीर के साथ ही गोवंश भी घायल हो जाते हैं। रात के समय वाहन चालकों को दूर से ही निराश्रित गोवंश दिख जाएं इसके लिए अभियान चलाकर उनके गले में रेडियम बेल्ट बांधी जा रही है। उनके साथ गौरव बघेल, विवेक कुमार, गोपाल मौर्य, रवि कुमार आदि इस काम में जुटे हैं।

न्यायालय में अभद्रता से आहत दारोगा ने की आत्महत्या की कोशिश, एसपी सिटी को दी लिखित शिकायत

अलीगढ़। बन्नादेवी थाने के दारोगा सचिन कुमार सोमवार देर रात आत्महत्या करने के लिए रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए। थाना प्रभारी पंकज कुमार मिश्रा व अन्य ने उन्हें समझाया और साथ लेकर आए। दारोगा का आरोप है कि बाइक चोरी के मुल्जिमों का रिमांड कराने के दौरान न्यायालय में उनसे अभद्रता की गई। इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। एसपी सिटी ने पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।बाइक चोरी में चार सदस्यों को पकड़ा था

बन्नादेवी थाना प्रभारी पंकज कुमार मिश्रा, क्राइम इंस्पेक्टर बिजेंद्रपाल राणा के अलावा एंटी व्हीकल थेफ्ट व क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग की टीमों ने जिला मलखान सिंह अस्पताल से चें. कंग के दौरान बाइक चोरी के चार सदस्यों को पकड़ा था। इनके नाम हड्डी गोदाम मंदिर वाली गली झलकारी नगर का अदीब, ख्वाजा चौक का फैज, जंगलगढ़ी ट्रांसफार्मर वाली गली का अरबाज, सराय मियां का आमिर हैं। इनके पास से चार बाइक, एक एक्टिवा, दो स्कूटी बिना नंबर की बरामद हुई थीं। इनके अलावा कटी हुई बाइक मिली है, जिसका चौसिस नंबर मिटा था। एक टंकी व साइलेंसर भी मिला है।चोरी का केस किया था दर्जपूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दोनों स्कूटी पांच दिन पहले आगरा रोड स्थित मुगल जोन रेस्टोरेंट के बराबर व गूलर रोड स्थित शराब के ठेके के पास से चोरी की थीं। दोनों के संबंध में मुकदमे पंजीकृत हैं। इसके अलावा आरोपियों ने जिले के अलग–अलग स्थानों से वाहनों को चोरी किया है। वाहनों को मखदूम नगर के शाकिर की दुकान पर खड़ी करते थे। पुलिस ने पांचवें आरोपित शाकिर को उसकी दुकान से गिरफ्तार किया। वह बाइक के पुर्जों को काटकर अलग कर रहा था।रिमांड के लिए पहुंचे थे मजिस्ट्रेट के न्यायालय दारोगा सचिन कुमार पांचों मुल्जिमों को लेकर रिमांड मजिस्ट्रेट की न्यायालय में पहुंचे। उन्होंने थाना बन्नादेवी में लिखित में शिकायत देकर न्यायालय में अभद्रता का आरोप लगाया है। दारोगा के अनुसार शाम चार बजे से रात 10 बजे तक उन्हें न्यायालय में बिठाए रखा। न्यायालय ने कई बार बुलाकर अभद्रता की गई। कहा गया कि तुम मुल्जिमों को फर्जी तरीके से पकड़कर लाए हो और रिमांड देने में मना कर दिया। इससे आहत होकर सचिन रात में आत्महत्या करने पहुंच गए।

इस आधार पर दायर की चार्जशीट

इस मामले में पुलिस विवेचक एसओ गांधीपार्क शिवप्रताप सिंह ने मोबाइल सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया पर वायरल हुए मारपीट के वीडियो आदि के साथ–साथ जिला अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ साथ फॉरेंसिक टीम की रिपोर्टको आधार बनाया है। इसी आधार पर करीब 150 पेज सेअधिक की अपनी चार्जशीट मंगलवार को न्यायालय मेंदाखिल की है।

मामू भांजा प्रकरण में औरंगजेब की हत्या से जुड़े मामले में विवेचनात्मक साक्ष्यों, फॉरेंसिक रिपोर्ट आदि के आधार पर मंगलवार को न्यायालय में चा. र्जशीट भेज दी गई है। बाकी अन्य मुकदमे में विवेचना प्रचलित है।**संजीव सुमन, एसएसपी**

अगले दिन हुआ था बवाल

इस घटना के बाद उसी रात सपा ने जिला अस्पताल पर जमकर हंगामा किया था। अगले दिन आरोपियों की गिरफ्तारी पर भाजपा व व्यापारी लामबंद हुए थे। भाजपाइयों ने गैर इरादतन हत्या में मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग उठाई थी। फिर कईदिन तक राजनीतिक तना तनी रही और भाजपा व्यापारियों के पक्ष में, जबकि विपक्ष मृतक परिवार के पक्ष में लामबंद रहा।